I[st] Semester

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: BA Sanskrit	
Course Code: UGST- 101 (N)	**Course Title:** अभिज्ञानशाकुन्तलम् एवं नीतिशतकम्

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A **2*6=12 marks**

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	निम्न श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति। इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।।	2
2	अधोलिखित मे से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये – i) आकाशभाषित ii) विदूषक iii) जनान्तिक	2
3	अभिज्ञानशाकुन्तल का कोई एक श्लोक, जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो, लिख कर उसमें प्रयुक्त अलंकार तथा छन्द बताइए।	2
4	भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र– सूक्ति का सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।	2
5	कालिदास की नाट्य–कला पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।	2
6	निम्न श्लोक का हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए – परिग्रहबहुत्वेऽपि द्वे प्रतिष्ठे कुलस्य मे। समुद्रस्सना चोर्वी सखी च युवयोरियम्।।	2

SECTION- B **6*3=18 marks**

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	महर्षि कण्व का चरित्र–चित्रण कीजिए।	6
8	'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक में चतुर्थ अंक सर्वश्रेष्ठ है– सिद्ध कीजिए।	6
9	अभिज्ञानशकुन्तलम् की कथा–वस्तु पर प्रकाश डालिए।	6

II[nd] Semester

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: BA Sanskrit	
Course Code: UGST- 102 (N)	**Course Title:** उत्तररामचरितम् तथा छन्द एवं अलंकार

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A **2*6=12 marks**

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – एतानि तानि गिरिनिर्झरिणीतटेषु वैखानसाश्रितरूणि तपोवनानि। येष्वातिथेयपरमाः शमिनो भजन्ते, नीवारमुष्टिपचना गृहिणो गृहाणि ।।	2
2	निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – यथेच्छं भोग्यं वो वनमिदमयं मे सुदिवसः सतां सद्भिः सङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति। तरुच्छाया तोयं यदपि तपसो योग्यमशनं फलं वा मूल वा तदपि न पराधीनमिह वः।।	2
3	निम्नलिखित में से किसी एक छन्द का सोदाहरण लक्षण दीजिए– आर्या, उपेन्द्रवज्रा, मालिनी, स्नग्धरा	2
4	निम्नलिखित श्लोक का संन्दर्भ सहित हिन्दी में अर्थ बताइए। वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।	2
5	भवभूति के काव्य–सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।	2
6	निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए– (क) नायक (ख) प्रेक्षागृह (ग) अंक	2

SECTION- B **6*3=18 marks**

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – लौकिकानां हि साधूनामथ वागनुवर्तते। ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति।।	6
8	नायक के भेद स्पष्ट करते हुए, उत्तररामचरित नाटक के नायक की कोटि स्पष्ट कीजिए।	6
9	'उत्तरेरामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते' –की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।	6

III[rd] Semester

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: BA Sanskrit	
Course Code: UGST- 103 (N)	**Course Title:** i) कादम्बरी कथामुखम् ii) सिद्धान्तकौमुदी कारकप्रकरण iii) संस्कृत निबन्ध `

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A **2*6=12 marks**

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	अधोलिखित में से संज्ञाओं का विधान करने वाले दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए। क) संहिता ख) अनुनासिक ग) पद घ) इत् ड.) संयोग	2
2	अधोलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म ख) येनाङ्गविकारः ग) स्पृहेरीप्सितः घ) भीत्रार्थानां भयहेतु	2
3	निम्नलिखित रेखांकित पदों में से दो का सूत्रोल्लेखपूर्वक विभक्ति का निर्देश कीजिए : क) कृष्णेकत्वम् ख) उपैति ग) होतृकारः घ) उपोषति	2
4	निम्नलिखित में से किसी दो सूत्र की व्याख्या कीजिए – i) हलन्त्यम् ii) आद्गुणः iii) लोपःशाकल्यस्य IV) एङ् पदान्तादति V) अनेकाल् शित्सर्वस्य	2
5	निम्नलिखित का सूत्रोल्लेखपूर्वक सन्धि बताइये – i) सुद्ध्युपास्यः ii) वागीशः iii) हरिश्शेते	2
6	'' अजाद्यतष्टाप्'' सूत्र की व्याख्या कीजिए।	2

SECTION- B **6*3=18 marks**

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	निम्नलिखित शीर्षक में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए – i) वेदानां महत्त्वम् ii) विद्ययाऽमृतमश्नुते iii) कश्चित् संस्कृतकविः iv) आचारः परमो धर्मः	6
8	निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– यस्मिश्च राजनि जितजगति परिपालयति महीं चित्रकर्मसु वर्णसंकराः, रतेषु केशग्रहाः, काव्येषु दृढबन्धाः शास्त्रेषु चिन्ता, स्वप्नेषु विप्रलम्भाः, छत्रेषु कनकदण्डाः, ध्वजेषु प्रकम्पाः, गीतेषु रागविलसितानि, करिषु मदविकाराः, चापेषु गुणच्छेदाः, गवाक्षेषु जालमार्गाः, शशिकृपाण, –कवचेषु कलङ्काः, रतिकलहेषु दूतसम्प्रेषणानि सार्यक्षेषु शून्यगृहाः न प्रजानामासन्। यस्य च परलोकाद् भयमन्तःपुरिकालकेषु भङ्गः, नूपुरेषु मुखरता, विवाहेषु करग्रहणमनवरतमखाग्नि धूमेनाश्रूपातस्तुरङ्गेषु कशाभिघातः, मकरध्वजे चापध्वनिरभूत्।	6
9	निम्नलिखित उक्ति की व्याख्या कीजिए – 'वाणी बाणो बभूव'	6

IVth Semester

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: BA Sanskrit	
Course Code: UGST- 104 (N)	**Course Title:** i)वेद ii)कठोपनिषद् iii)अनुवाद

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A **2*6=12 marks**

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	निम्नलिखित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखें – क्रतवः, रजन्त्म्, तर्पणीयः, उरुगाय,	2
2	वेदांग किसे कहते हैं? वेदांगों पर संक्षिप्त प्रकाश डालें।	2
3	कठोपनिषद् के वर्ण्य विषय पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।	2
4	ऋग्वेद का संक्षिप्त परिचय दीजिए।	2
5	किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। क) प्रयाग के चारों ओर वन हैं। ख) राम पिता का अनुकरण करता है। ग) स्त्री को आभूषण अच्छा लगता है। घ) आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। ड.) ब्राह्मण को प्रतिदिन दान देना चाहिए। च) हिमालय भारतवर्ष के उत्तर की ओर स्थित है। छ) सड़क के किनारे वृक्षों से पत्ते गिर रहे हैं। ज) शत्रु आँख से काना है।	4

SECTION- B **6*3=18 marks**

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	निम्नलिखित दो मंत्रों का अनुवाद कीजिए। क) सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्। स भूमिं विश्वतो वृत्वात्यतिष्ठदृशाड.गुलम्।। ख) यो जात एव प्रथमो मनस्वान्देवो देवान्क्रतुना पर्यभूषत्। यस्य शुष्माद्रोदसी अभ्यसेतां नृम्णस्य महाना स जनास इन्द्रः ।।	6
8	निम्नलिखित में से किन्हीं एक मंत्र की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। क) येंय प्रेते विचिकित्सा मनुख्ये अस्तीत्येके नायमस्तीति चैके। एतद्विद्यामनुशिष्टस्त्वयाहं वराणामेव वरस्तृतीयः।। ख) स्वर्गे लोके न भयं किञ्चनारित न तत्र त्वं जरया बिभेति। उभे तीर्त्वाऽशनाया पिपासे शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके।।	6
9	'विश्वेदेवा' सूक्त का सारांश अपने शब्दों में लिखें।	6